



मिस्टर २१ नं. १०००
 भारतीय न्याय विभाग
 (दिल्ली न्याय विभाग) १००००
 के अधीन १ नं. १०००
 के अन्तर्गत १ नं. १०००
 के अन्तर्गत १ नं. १०००
 के अन्तर्गत १ नं. १०००

Received
 A/c - 4340 = 00
 N(9) - 54 = 00
 4394 = 00

18,260 =
 4340 =
 22,600 =

10.05.04

श्री प्रकाश चन्द्र अग्रवाल

SALE - DEED

नाम लेख्यकारी पिता
 का नाम वो निवास
 स्थान आदि
 (बिक्रेता)

श्री प्रकाश चन्द्र अग्रवाल, पिता स्व० विश्वनाथ
 प्रसाद अग्रवाल, पेशा व्यवसाय, साकिन
 गिलानपाड़ा दुमका, थाना दुमका टाउन,
 सबडीविजन वो निबंधन कार्यालय दुमका, जिला
 दुमका, भारतीय नागरिक।

20

20

20

श्री प्रकाश चन्द्र अग्रवाल
 10/5/04

श्री प्रकाश चन्द्र अग्रवाल
 10/5/04

श्री प्रकाश चन्द्र अग्रवाल
 10/5/04

22,600/-

₹ 22,600/-

₹ 22,600/-

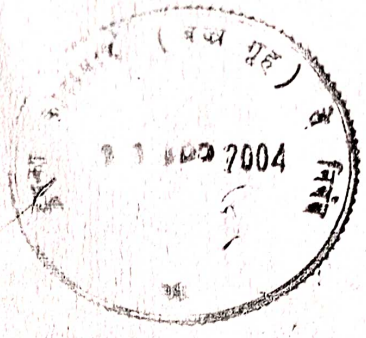
50000 4 = 20,000/-
 2000 2 = 4,000/-
 500 1 = 500/-
 100 2 = 200/-

₹ 22,600/-

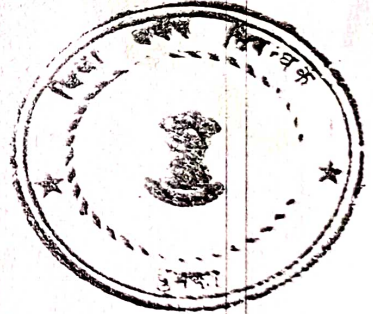
20/11/04

Stamp

Public Trust



Prakash Chandra Agrawal
 10.05.04



₹ 22,600/-

Prakash Chandra Agrawal

Prakash Chandra Agrawal

Prakash Chandra Agrawal

Prakash Chandra Agrawal

₹ 22,600/-

Prakash Chandra Agrawal

5000Rs.



(2)

नाम लेख्यघारी
पिता का
नाम वो निवास
स्थान आदि
(क्रेता)

श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल, पिता स्व०
विश्वनाथ प्रसाद अग्रवाल, जाति अग्रहरि वैश्य,
पेशा व्यवसाय, साकिन रसिकपुर (दुधानी)
दुमका, थाना दुमका टाउन, सब डिवीजन वो
निबंधन कार्यालय दुमका, जिला दुमका, भारतीय
नागरिक।

Prakash Chandra Agrawal
16.05.04

लेख्य प्रकार : - बिक्रय-पत्र (Sale - Deed)

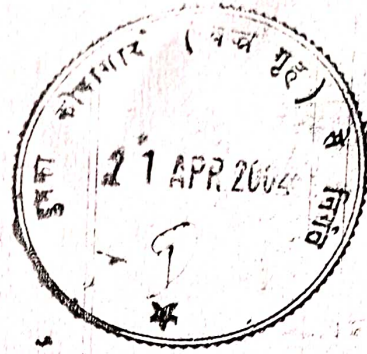
बिक्रीत सम्पति
का मूल्य

मो० 2,17,000/- (दो लाख सत्रह हजार) रुपये मात्र।

1198
214104

श्री कल्याणजीजी अग्रवाल
पति- एन. विठ्ठलराव 36/37 मुंबई

214104
Stamp Clerk
Quinta Treasury



112 $\frac{V.U}{04}$

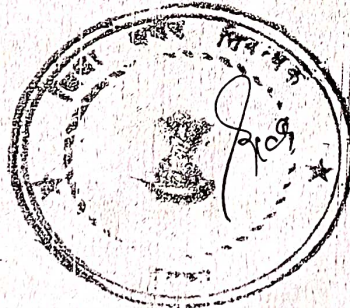


Prakash Chandar Agrawal
10.03.04

113 $\frac{V.U}{04}$



Prinal Goswami





(3)

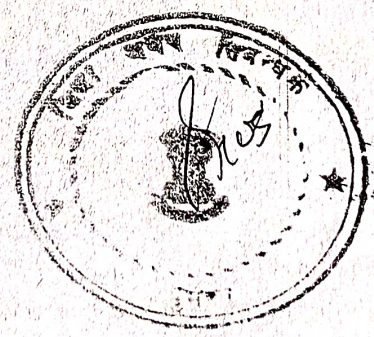
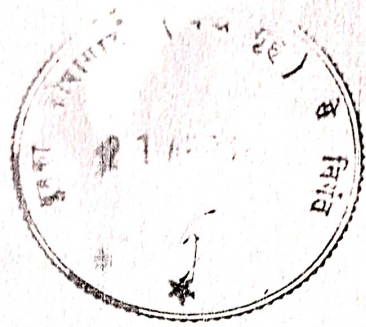
**बिक्रीत सम्पत्ति का
सम्पूर्ण विवरण**

तफसील हक बसौड़ी अराजी परती सहन जमीन, मय
 चहारदिवारी, मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि अन्दर
 मौजा रसिकपुर नम्बर 2 तालुक घाट रसिकपुर थाना
 दुमका टाउन, सबडीविज़न वो जिला दुमका का तौजी
 नम्बर 618 बसौड़ी का जमाबंदी नम्बर क्रमशः 41,
 42, 41/58, 43/59 एवं 148 में जो दुमका
 नगरपालिका क्षेत्र के बाहर है तथा दुमका नगर विकास
 प्राधिकार क्षेत्र के अन्दर है, जिसका ट्रेश मानचित्र
 शामिल दस्तावेज में संलग्न है, जिसमें बिक्रीत सम्पत्ति
 को लाल रंग से दर्शाया गया है। दाग नम्बर चौहद्दी
 निम्न प्रकार है :-

Prakash Chandra Agarwal
 10.08.04

Handwritten text in Devanagari script, possibly a list or notes.

21/11/01
Stamp Clerk
District Treasury





(4)

दाग नम्बर	चौहद्दी	किस्म बी.क.धु.
825 का अंश ।	उत्तर - बिक्रेता की जमीन । दक्षिण - भागलपुर रोड । पुरब - बिक्रेता की जमीन । पश्चिम - क्रेता की जमीन ।	इसी चौहद्दी के अन्दर बसौड़ी स्वत्व की परती सहन जमीन मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि रकवा मवाजी 00 - 04 - 04

Prakash Chandra Aggarwal
10.05.04

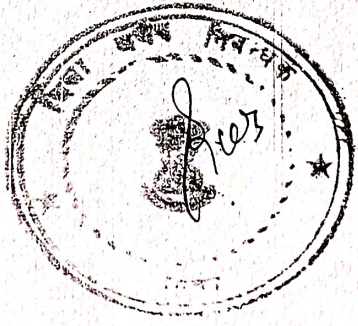
चार कद्दा चार धुर मात्र । सलाना खजाना मो0 रसिदी ।

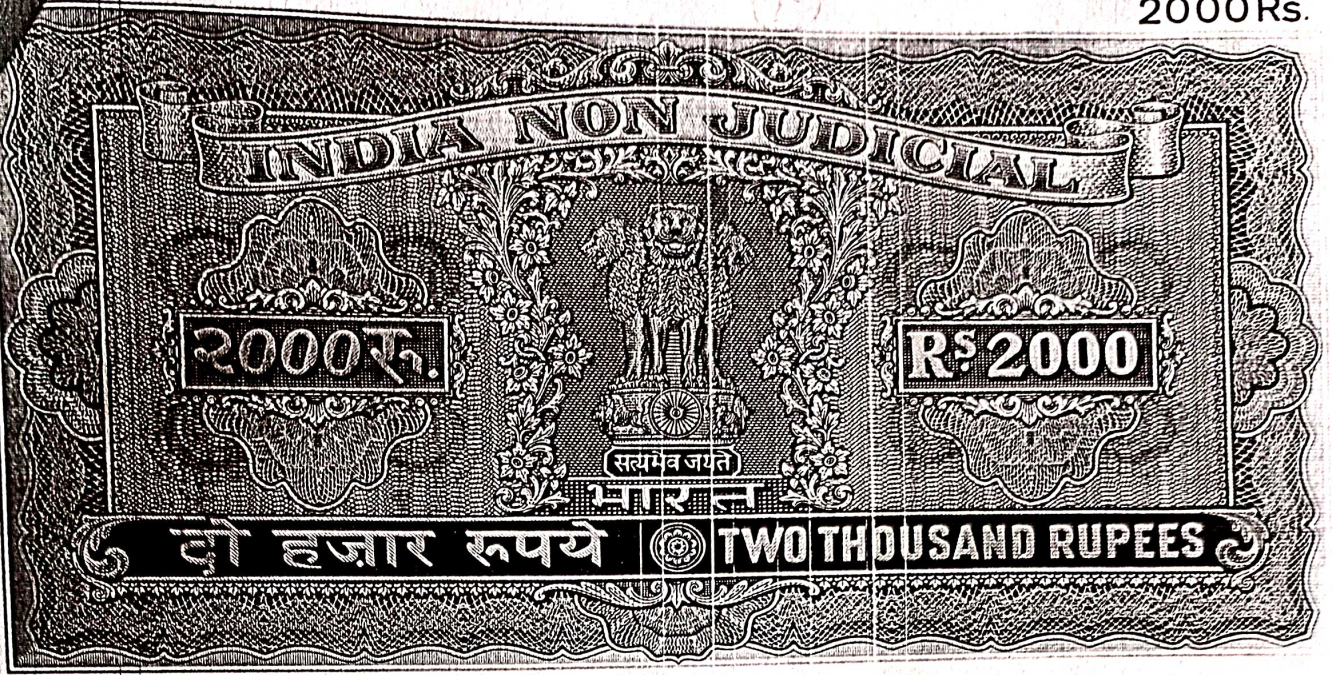
117 55
100

3-1) 21/11/04 30 313/100
(2) 21/11/04 30 313/100

21/11/04

117 55
100





(5)

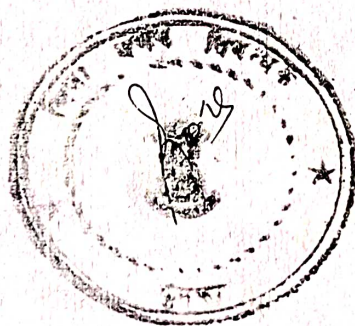
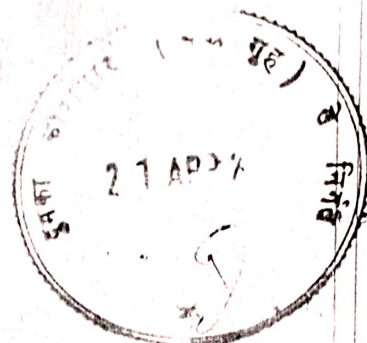
विदित हो कि उपरोक्त सम्पत्ति लेख्यकारी बिक्रेता द्वारा स्वोपार्जित सम्पत्ति है, जिसे लेख्यकारी ने बजरिये मुक्ति पत्र संख्या 4187 जिल्द संख्या 24 पृष्ठ संख्या 311 से 316 पुस्तक संख्या 1 सन् 1978 ई०, जिसकी रजिष्ट्री दुमका निबंधन कार्यालय में हुई है, के द्वारा प्राप्त कर तथा अंचल कार्यालय दुमका के नामान्तरण वाद संख्या 36/1978-79 के द्वारा अपना नाम पंजी II में दर्ज कराकर साल-ब-साल खजाना अपने नाम से देते हुए सम्पत्ति का भोग-दखल निर्विवाद रूप से करते आ रहे हैं। उपरोक्त सम्पत्ति बसौड़ी है, जिसपर लेख्यकारी का दखल-कब्जा निर्विवाद रूप से चला आ रहा है तथा इसे बिक्रय करने का लेख्यकारी को सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त है। वर्त्तमान में लेख्यकारी को अपने व्यवसाय आदि के लिए रुपये का सख्त दरकार है वो बिना बिक्रय किए उपरोक्त बसौड़ी सम्पत्ति के रुपये का मिलना कठिन है, इसलिए लेख्यकारी ने अपनी उपरोक्त बर्णित सम्पत्ति को बिक्रय करने का

Prakash Chandra Agrawal
10.05.04

1120
11/10/04

Handwritten text, possibly a name or address, in a non-Latin script.

Handwritten text, possibly a name or address, in a non-Latin script.





(6)

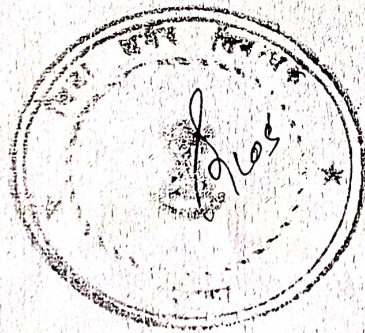
शोहरत किया, जिसे आप क्रेता महोदय ने देखा वो मो0 2,17,000/- (दो लाख सत्रह हजार) रूपये में उपरोक्त सम्पत्ति को क्रय करने की इच्छा आप बिक्रीदार पर प्रकट किया। यह मूल्य आजकल के बाजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया वो उपायुक्त महोदय दुमका के द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के आधार पर भी यह मूल्य वाजिब वो सही है, इसलिए लेख्यकारी आज अपनी खुशी-राजी, बिना कोई दबाव वो बहकाव किसी अन्य के अपने स्वस्थ शरीर वो स्वच्छन्द मस्तिष्क की दशा में होकर वो रहकर तथा क्रेता श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल से उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय मूल्य मो0 2,17,000/- (दो लाख सत्रह हजार) रूपये बैंक चेक संख्या 126510 मिति 10.5.04 भारतीय स्टेट बैंक, AMY दुमका से लेकर वो प्राप्त कर उपरोक्त खाना नम्बर पाँच में बर्णित सम्पत्ति को क्रेता के हाथ बिक्रय कर आज की तारीख से ठीक अपने तुल्य अधिकार करा दिया।

उपरोक्त सम्पत्ति हर तरह के ऋण-भार से मुक्त है।

Prakash Chandra Agrawal
10.05.04

श्री श्रीमति ३० (३०/०१/०१)
पि. ए. विद्यापीठ या विद्यापीठ

२१/१०/०१
२१/१०/०१
२१/१०/०१
२१/१०/०१





फिर भी निकट भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का हाल या प्राचीन ऋण-भार पाया जाय तो इसकी सारी जबावदेही आप बिक्रेता पर होगी। आज तक उपरोक्त सम्पत्ति पर बिक्रेता को जो कुछ स्वत्व वो स्वामित्व प्राप्त था अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वो कुल आज की तारीख से आप क्रेता महोदय को प्राप्त हो गया।

अब चाहिए कि क्रेता महोदय उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर सरकारी सिरीस्ते में प्रचलित नाम कटवा कर खुद का नाम दर्ज करा लें वो साल-ब-साल सिरीस्ते में खजाना देकर वसूली का रसीद अपने नाम से प्राप्त किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग-दखल, दान-बिक्रय वो हस्तांतर अपनी इच्छानुसार जो चाहे करें, इसमें हम बिक्रेता मय वारिसान को किसी तरह की उजुर-आपत्ति नहीं होगी। अगर आपत्ति करे या करें तो वो कुल आपत्ति न्यायालय में अमान्य वो वातिल होगी।

यह कि मैं बिक्रेता उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण मूल्य मो० 2,17,000/- (दो लाख सत्रह हजार) रूपये आप क्रेता से प्राप्त कर लिया है। कुछ भी बाकी नहीं है।

Prakash Chandra Agrawal
10.08.07

Handwritten text in Devanagari script, including the word 'प्रमाण' (Prमाण) and other illegible characters.



Prakash Chandra Agrawal
10.05.04

(8)

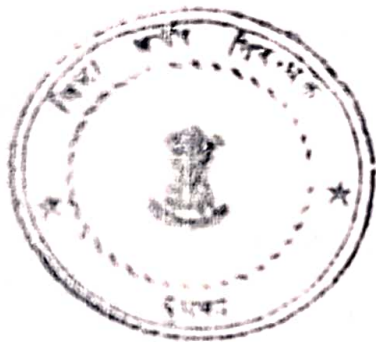
भविष्य में मूल्य न पाने का दावा नाजायज वो वातिल
होगी।

यह सब एकरार कर देकर यह बिक्रय-पत्र ब-हक
श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल पिता स्व० विश्वनाथ प्रसाद
अग्रवाल के तहरीर वों तामिल कर दिया, जो वक्त-जरूरत
के काम आवे। इति आज तारीख :- 10.05.2004 ई०।

इस दस्तावेज की प्रथम प्रति एवं द्वितीयक
प्रति एक-दूसरे की हु-ब-हू सच्ची
प्रतिलिपि है।

कम्प्युटर द्वारा टंकित किया
अनिल कुमार देवाशु
(अनिल कुमार देवाशु)

कानून व दस्तावेज -
उमाकांत राउत साकिन दुमका राउत
इलीक वॉ कजपुरा लोचकारी के खुद-पुके।
प्रेर सभने कपना हस्ताक्षर (लिपि)
उमाकांत राउत
१०/५/२००४ ई०



सूचना

10/5

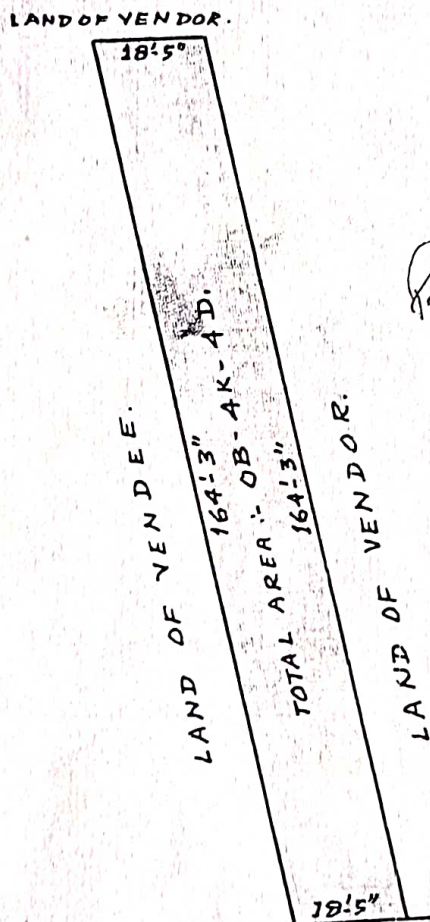
भारत सरकार
सूचना
10/5/2004
10/5/2004
10/5/2004
10/5/2004

PLAN OF LAND PURCHASED BY SHRI. KAILASH PRASAD AGRAWAL S/O, LATE BISWANATH PRASAD AGRAWAL AT. DUDHANI, DUMKA FROM SHRI. PRAKASH CHANDRA AGRAWAL S/O, LATE BISWANATH PRASAD AGRAWAL AT. GILLAN PARA, DUMKA. LAND IS SITUATED AT MOUZA-RASIKPUR NO-2 PLOTNO. 825(PART)

SCALE-1"=32'-0"

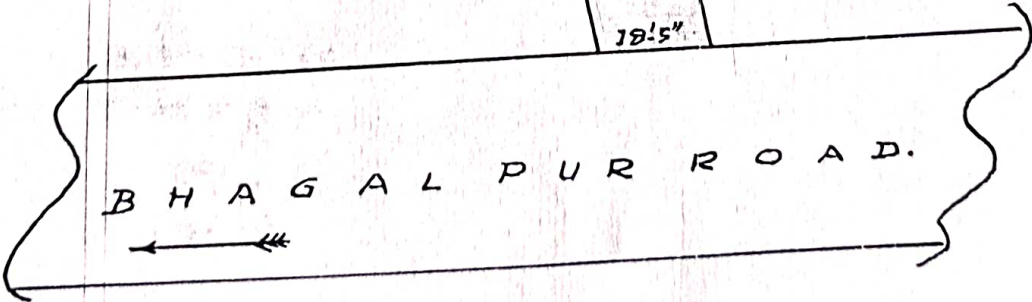
Ref. 0

PURCHASED LAND SHOWN IN RED. AREA- $\frac{B-K-D.}{O-4-4.}$



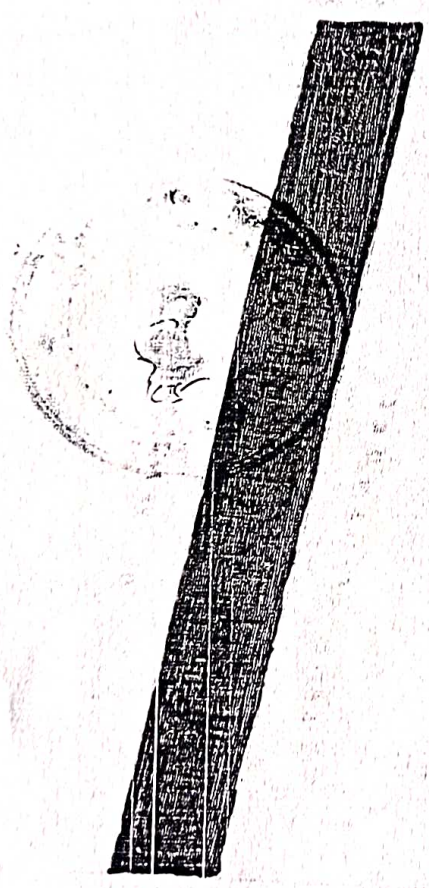
Prakash Chandra Agrawal
10.05.04

The duplicate Plan is true and exact copy of original Plan.
Manoj Kumar
3/04/04



RECEIVED
GENERAL INVESTIGATIVE
DIVISION
AT WASHINGTON

10/5/2004



10/5/2004
481
8240 30
10/5/2004

pen's